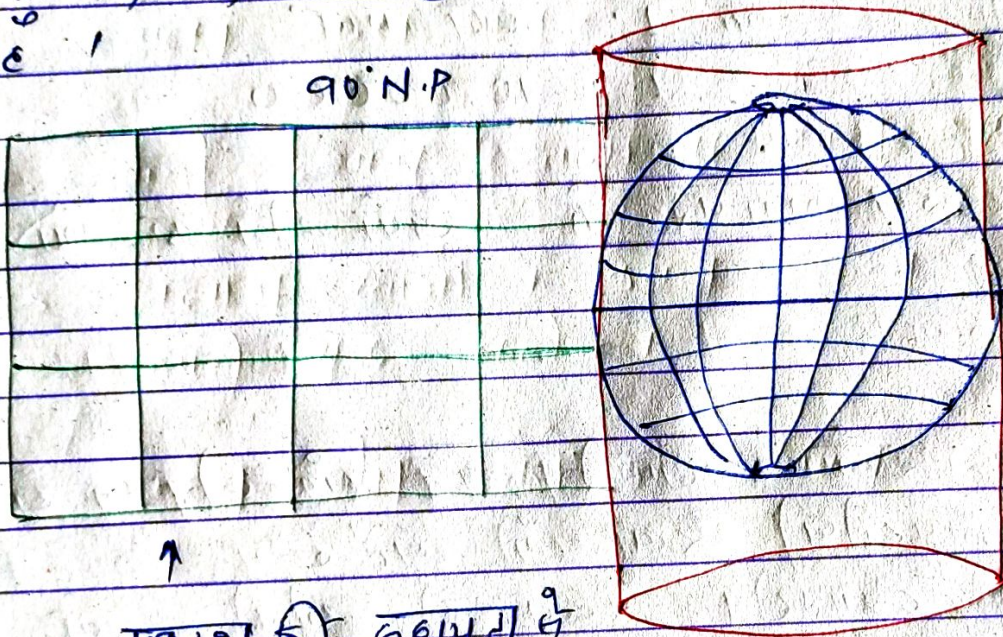


गोलाकार प्रक्षेप

- एक कागज का बेलन बनाकर जलौक को लपेट करवाकर इस प्रकार का प्रक्षेप बनाया जाता है
- ये प्रक्षेप आयताकार होते हैं।
- इस प्रक्षेप की विषुवत रेखा प्रथम तथा अक्ष बेली है।



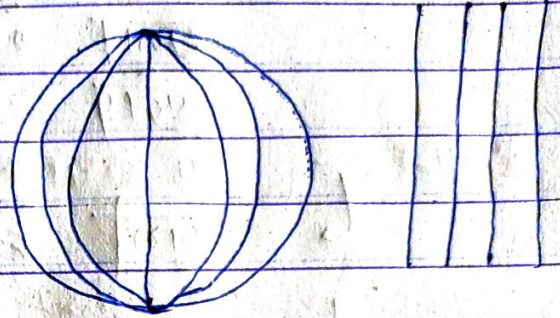
प्रक्षेप की लक्षणों में कागज पर

विशेषताएँ

- अक्षांश रेखा सीधी समरथ रेखा के बराबर व गोलाकार होती है।
- 90° अक्षांश (Pole) रेखा जो जलौक पर बिंदु होती है बेलनाकार प्रक्षेप पर समरथ रेखा के बराबर बेली है
- अक्षांश रेखाओं की दूरी प्रक्षेप के अनुसार बढ़ती रहती है।

• द्वितीय रज्य सीधी, कड़ी, सरसरी रज्य के समान होती है।

• जलौक या द्वितीय रज्याँ एक बिंदु के लय में आकर मिलती है, प्रक्षेप या वँसा नहीं होता अर्थात् बिंदु के लय में नहीं मिलती है

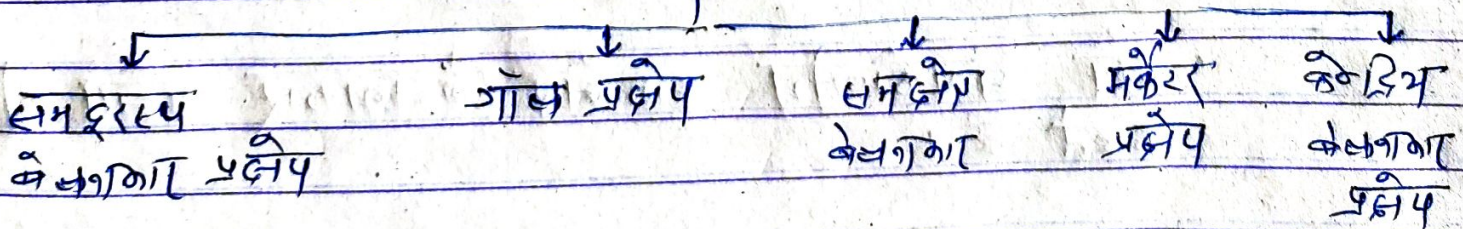


• मूल रज्य या मापक शुद्ध होती है।

• इस प्रक्षेप को अपभ्रंश मूल रज्यीय लोग को द्वितीय के लिए किया जाता है

• इस प्रक्षेप या विरक्त के मापक का नाम भी ज्ञात है

केसरीया प्रक्षेप के प्रकार



1. समदुलभ केशिका प्रसौप

↳ रचना - लैटिकरी विद्या

↳ अक्षांश व देशांत रेखाओं की बीच की दूरी समान होती है अतः इसे समदुलभ केशिका प्रसौप कह जाय है

↳ सभी देशांत रेखाओं पर गपनी मुक्त होती है।

↳ अक्षांश रेखाओं में केवल गुरुत्व रेखा पर ही गपनी मुक्त होती है।

उपयोग ↳ गुरुत्व रेखा पर सैरो की विशेषता स्थिति हेतु

2. समक्षर केशिका प्रसौप

निर्माण - जे. एच. लैन्गट (रचना)

• गुरुत्व रेखा पर गपनी मुक्त होती है

• इसे ध्रुवक्षेत्रीय समक्षर केशिका प्रसौप भी कहते हैं।

उपयोग • गुरुत्व रेखा पर सैरो में सौम्य कृषि स्थान है
जैसे: - जन्ना, चाक, रक, कपास, गरिभज, चाय, कॉफी

गॉल प्रक्षेप

- एक कार्ब मैपिंग का प्रक्षेप जिसमें गुरुत्व रेखा अपनी वास्तविक खंकाई के शीर्षी होती है।
- इस प्रक्षेप के लम्ब अक्षांश रेखा 45° अक्षांश रेखा की खंकाई के लगात होती है।
- सभी अक्षांश रेखाओं को सात करो के दुर

$$\begin{aligned} \text{दुर} &= 2r \cos 45^\circ \\ &= \frac{2 \times 22}{7} \times \cos 45^\circ \end{aligned}$$

- ये शीर्षीकरण करिबन्धी होती के वितरण को स्वातंत्र्य देतु उपयोग किया जाता है।
- इस प्रक्षेप के Pole को एक ध्रुव रेखा के रूप में स्वातंत्र्य है।

4. मर्केटर प्रक्षेप

↳ रचना - डच कर्तोग्राफर - मर्केटर
 मुख्य उद्देश्य - समुद्री यात्राओं के नैराज लक्षी दिशा जात करना

- इसे मैपिंग कार प्रकार अक्षांश, मैपिंग कार शुद्ध दिशा प्रक्षेप की कहते हैं।

- गुरुत्व रेखा या मापनी शुद्ध होती है।

• अक्षांशों की खंकाई के सात करो होते दुर = $R \log \tan 45^\circ \frac{\theta}{2}$

यह शुद्ध दिशा वाचा प्रयोग है।

** इनमें दो लक्षणों को मिलाने वाली सरल रेखा को "एक दिशा नो पथ" (Loxodram) कहते हैं।

उपग्रह :- नौ लक्षण , पवनों की दिशा , कथलागरीय धारों विशेषकर अक्षरेखीय क्षेत्र के लिए उपयुक्त है।